

INS अरघाट

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

हाल ही में भारत ने उन्नत प्रौद्योगिकी पोत (ATV) परियोजना के तहत नरिमति अपनी दूसरी परमाणु ऊर्जा चालित बैलस्टिक मिसाइल पनडुबबी (SSBN), **INS अरघाट (S-3)** को नौसेना में शामिल किया।

- INS अरघाट अपने पूर्ववर्ती **INS अरहित** के साथ नौसेना में शामिल किया जाएगा जो वर्ष 2018 में पूर्ण रूप से क्रियाशील हुआ था। इसका उद्देश्य देश की '**न्यूक्लीयर ट्रायड**' (जल, थल और वायु से परमाणु हथियार दागने की क्षमता) को और अधिक सुदृढ़ करना है।
 - आकार और वसिथापन में INS अरहित के समान होने के पश्चात् भी INS अरघाट अधिक **K-15 मिसाइलों** का वहन कर सकता है।
 - **शक्ति**: इसमें रूसी सहायता से वकिसति 83 मेगावाट के **परेशराइज़्ड लाइट-वाटर रिकटर** शामिल हैं।
 - **अरघाट** में चार बड़े वर्टिकल लॉन्च सिस्टम (VLS) ट्यूब हैं जो **सागरिका SLBM (K-15)** का वहन करेंगे। सागरिका एक हाइब्रिड प्रणोदन, दो-चरण, ठोस-प्रणोदक मिसाइल है जिसकी मारक क्षमता 700 किलो. से अधिक है।
- **अन्य विकास**: तीसरी पनडुबबी INS अरदिमन (7,000 टन भार का जहाज़) जो 3,500 किलोमीटर मारक क्षमता वाली **K-4 मिसाइलों** का वहन करने में सक्षम है, अगले वर्ष नौसेना में शामिल की जाएगी।
- SSBN का तात्पर्य "जहाज़, पनडुबबी, बैलस्टिक, परमाणु" (Ship, Submersible, Ballistic, Nuclear) है और यह एक प्रकार की पनडुबबी को संदर्भित करता है जो परमाणु-युक्त बैलस्टिक मिसाइलों का वहन करती है।
 - चूँकि SSBN का पता लगाना कठिन है और दुश्मन द्वारा अचानक पहला हमला करने पर वे जवाबी हमला कर सकते हैं, इसलिये शक्ति संतुलन की दृष्टि से यह आवश्यक है।

और पढ़ें: **INS वागीर, INS करंज, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO)**